indigenous capacity. The letter also questions other issues such as need for gas-based power projects as also the need for foreign/private investment in the power sector. Government policy to encourage private sector participation in power sector has been evolved to attract additionality of resources for power sector programmes through private sector investment to meet severe power shortages. Adequate mechanisms are available to limit project costs. The power capacity addition programme of the country is such that available indigenous capacity would be used.

अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में भारतीय वस्तुओं की बिक्री

*292. **श्री रणजीत सिंह :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 7 जनवरी, 1992 को दैनिक ''हिन्दू'' में ''ओवर रुपीज़ 1,000/- करोर्स लास्ट इन एक्सपोर्ट बिड्स आन प्राइस फैक्टर'' शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि भारतीय वस्तुओं को उनके अत्यधिक मूल्य के कारण अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में बेच पाना दुष्कर है; और

(ग) कौन-कौन सी वस्तुएं अपने अत्यधिक मूल्य के कारण अन्तर्राष्ट्रीय बाजार से बाहर हो गई है?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम्): (क) से (ग) प्रश्न में उल्लिखित समाचार एग्जिम बैंक द्वारा किए गए एक सांख्यिकीय विश्लेषण से सम्बन्धित है। उक्त विश्लेषण 1990-91 के दौरान एग्जिम बैंक द्वारा अनुमोदित सिविल निर्माण तथा टर्नकी परियोजनाओं और परामर्शी सेवाओं के लिए भारतीय कम्पनियों द्वारा दी गई निर्यात बोलियों के संबंध में किया गया है। विश्लेषण के अनुसार, 1004 करोड़ रु० मूल्य की 38 बोलियों का नुकसान कीमत की वजह से हुआ। कुछ कम्पनियों द्वारा एग्जिम बैंक को प्रस्तुत की गई जानकारी के अनुसार जिन कारणों से ये बोलियां गंदानी पड़ी वे इस प्रकार हैं:—तीसरे देशों के श्रेष्ठ संघटक, दूर संचार उपस्कर, फाइबर आप्टिक केबल, निर्माण मशीनरी, औजार तथा उपस्कर जैसी निर्माण सामग्री की ऊंची कीमतें, और साथ ही स्थानीय अंश अधिक होना तथा अधिक स्तम्भ वाले संघटक होना। फिर भी, आमतौर पर मूल्य की दृष्टि से हमारी बोलियों की सफलता-दर 1989-90 की तुलना में 1990-91 के दौरान 6% बढ़ गई है।

Filling up of vacant posts in Air India

*293. SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government propose to introduce additional top level posts in Air India;

(b) if so, what is Government's reaction thereto;

(c) whether it is a fact that about 1000 posts of low paid staff are lying vacant in Air India; and

(d) if so, what steps are being taken by Government to fill up these vacancies?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a)and (b) Government has not received any proposal from Air India.

(c) and (d) About 809 posts are lying vacant as on 1.1.1992 and recruitment action has been taken to fill these posts as per prescribed procedure.

चण्डीगढ़ में नए विद्युत कनैक्शनों का न दिया जाना

*294. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या **विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत** मंत्री यह बताने की कृपा रेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान 20 जनवरी, 1992 के ''इकोनामिक टाइम्स'' में ''पावर शार्टेज हिट द ग्रोथ ऑफ इन्डस्ट्रीज इन चण्डीगढ़'' शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि संघ राज्य क्षेत्र चण्डीगढ़ में 1988 से कोई नया विद्युत कनैक्शन स्वीकृत नहीं किया गया है;

(ग) यदि उपरोक्त भाग (ख) का उत्तर ''हां'' हो, तो इसके क्या कारण है;

(घ) क्या यह भी सच है कि स्थानीय लोगों द्वारा नये कनैक्शन प्राप्त करने के लिये समय-समय पर आवेदन दिये जाते रहे हैं; और

(ङ) यदि हां, तो क्या सरकार अब सम्बद्ध व्यक्तियों को नये कनैक्शन देने के संबंध में कोई निर्णय लेगी?

विद्युत और गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय): (क) जी, हां।

(ख) से (ङ) संघ शासित क्षेत्र चण्डीगढ़ में विद्युत